जय जय महाश्रमण

नारी लोक

अंक 228, जून 2017

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान)

मानवता के मसीहा आचार्यश्री तुलसी को भावभीनी श्रद्धांजलि

ज्योतिपुरुष की परम ज्योति से,
ज्योतिर्मय सारा संसार।
देते हम उस महामानव को,
श्रद्धा का पावन उपहार।।

अणुव्रत का अवदान अलौकिक,
पाकर जीवन हैं गुलजार।
नारी के उन्नायक प्रभुवर,
दिया है, तुमने स्नेह अपार।।

जाग उठी परदे की नारी,
दी है तुमने नयी पहचान।
शुभभावों का अर्घ्य चढ़ाकर,
शीश नमाकर करें प्रणाम।।

अमृतवाणी

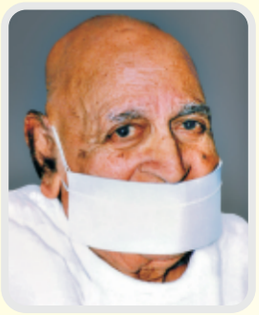

समाज और राष्ट्र का चरित्र व्यक्ति के चरित्र से भिन्न नहीं हो सकता। व्यक्ति अपने जीवन में पवित्रता, ऋजुता, दया, करुणा, सादगी, मैत्री, अनासक्ति और विसर्जन के भाव विकसित कर ले, देश और समाज का चरित्र सुधर जाएगा।

– आचार्यश्री तुलसी

जिसने अपनी धारणा की खिड़की से सत्य को देखा, वह सत्य से दूर भागा है। जिसने तथ्यों की खिड़की से सत्य को देखने का प्रयास किया, वो सत्य के निकट पहुंचा है।
यदि संसार में अपनेपन का आग्रह नहीं होता तो सत्य का मुंह आवरणों से ढका नहीं होता।

–आचार्यश्री महाप्रज्ञ

आवेश की स्थिति में निर्णय गलत होने की संभावना रहती है, अत: शांत अवस्था में ही चिंतनपूर्वक निर्णय करना चाहिए।

–आचार्यश्री महाश्रमण

पौरुष और पराक्रम से भरे अजेय कर्तृत्व का नाम है– आचार्य तुलसी। तेज और ओज के अनन्तप्रवाही स्रोत का नाम है– आचार्य तुलसी। आगत समस्याओं से जूझने के हिमालयी संकल्प का नाम है– आचार्य तुलसी। सांस–सांस में सृजनशीलता के स्पन्दनों का नाम है– आचार्य तुलसी। नये से नये कार्य और कठिन से कठिन समय में भी संकोच, भय और व्याकुलता को पास नहीं फटकने देने वाले जीवट भरे व्यक्तित्व का नाम है– आचार्य तुलसी। वैज्ञानिक की सोच, कवि की कल्पना, साहित्यकार की विचार उर्मियों और संगीतकार के मधु स्वरों के समवाय का नाम है– आचार्य तुलसी।

साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

अभिवंदना के स्वर

प्रज्ञा पुरुष महाप्रज्ञ को शत्–शत् नमन हमारा!
अहो भाग्य धर्मसंघ का चमका दिव्य सितारा।
चोरड़िया कुल का उजियारा, माँ बालु की आँखो का तारा,
महाप्रज्ञ के प्रबुद्ध चिंतन से बदली युग की धारा,
अहिंसा की अलख जगायी पद यात्रा के द्वारा
युगों–युगों तक गूंजेगा यह महाप्रज्ञ का नारा।

श्रद्धासिक्त अभिनंदन– आध्यात्म के महासूर्य आचार्य महाप्रज्ञ को, जिनकी प्रज्ञा की पावन रश्मियों से जन–जन का जीवन आलोकित हुआ।

शत्–शत् नमन उस विराट व बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी प्रज्ञा पुरुष को, जिन्होंने विश्व में आध्यात्म का आलोक फैलाकर युग को नया दिशा बोध दिया।

प्रज्ञा के प्रखर पुंज आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 98वें जन्म दिवस पर महिला समाज का शत् शत् वंदन व अभिनंदन।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

अभिवादन

नई सोच के सूत्रधार – आचार्य श्री तुलसी

मेरी प्यारी कर्मठ बहनों,
सादर जय जिनेन्द्र!

सहस्त्रों बार नमन ओजस्वी आचार्यश्री तुलसी को जिनके

व्यक्तित्व व कर्तृत्व का ओज अतुलनीय है
जिनका हर पल वंदनीय है
जिनका हर क्षण अविस्मरणीय है
जिनका हर कार्य प्रेरणादायी है
जिनकी हर प्रेरणा फलदायी है
जिनकी हर रचना उल्लेखनीय है

आचार्यश्री तुलसी मानवता के मसीहा व साधना के शिखर पुरुष थे। वे नारी जागृति के सूत्रधार थे। उन्होंने सोई हुई मानवता को जगाकर विश्व को नया आलोक दिया और उदित हुआ ओजस्वी उम्मीदों का भव्य सूर्य। आपके प्रबल पुरुषार्थ व प्रेरणा से महिलाओं को मिला ज्ञान का दिव्य आलोक और स्वप्न साकार हो उठे महिलाओं की जागृति से।

बहनों! यह जागृति अगर पर्यावरण की ओर आ जाये तो हम दूरगामी संकट से बच सकते हैं। हम अपनी भावी पीढ़ी को सुरक्षित रख सकते। हैं। इस पूरे ब्रह्मांड में पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है, जहां जिन्दगी के सभी संसाधन उपलब्ध हैं। प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है। जैसे– उपजाऊ जमीन, सुरम्य वातावरण, लहलहाते खेत, वृक्ष, हवा–पानी व जीवन को सरल–सुगम बनाने के अनगिनत साधन।

प्रकृति के उपकारों के बदले हमने उसे प्रदूषित कर दिया। पर्यावरण यानि परि+आ+वरण अर्थात् चारों ओर से मर्यादापूर्वक ढका हुआ। भगवान महावीर द्वारा दिया गया संदेश 6 कायों के जीवन की रक्षा पर्यावरण संतुलन का मूल मंत्र है। आवश्यकता है इसके महत्व को समझकर अपनाने की। जिस तरह पर्यावरण की शुद्धि से वातावरण स्वच्छ रहता है उसी तरह अपने मनरूपी पर्यावरण को कषायरूपी प्रदूषण से मुक्त रखना है। मनरूपी भवसागर में न जाने कितने दूषित विचारों का प्रवाह चलता रहता है, उसे अपनी श्वांस प्रेक्षा से खत्म करना है। अपनी इच्छाओं पर अंकुश लगाना है। परिग्रह को सीमित करना है। इंद्रियों को वश में करने का प्रयास करना है।

बहनों! स्वच्छता अभियान को जारी रखना है जिससे प्रदूषण कम हो सके। इसके लिये सामाजिक जागरुकता व सामूहिक प्रयास आवश्यक है। अत: हर कार्य प्रकृति की मर्यादा के अनुरूप करके ही हम पर्यावरण की सुरक्षा कर सकते हैं।

श्रद्धा से स्वत: सिर झुक जाता है– मर्यादा के रक्षक आचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रति जो आंखों में उम्मीदों का ख्वाब, मन में संकल्पों की सौगात, कदमों में अदम्य साहस, निरंतर, नैतिकता, सद्भावना व नशामुक्ति का आह्वान करते हुए अपने सैन्य बल के साथ द्रुतगति से मंजिल का वरण करने हेतु अग्रसर हैं।

धन्य हैं– गुरुवर की संघ भक्ति
भव्य है आपकी दिव्य दृष्टि
अनुकरणीय है आपकी जीवनशैली
अनुपम है आपका विरल व्यक्तित्व
अनूठा है आपका कुशल नेतृत्व

बहनों! अब मेरे लिए स्वर्णिम अवसर है पूज्यप्रवर गुरुदेव के कोलकाता में अगवानी का। इस उत्साह भरे आलम में हमारे हर कार्य, व्यवहार एवं पहनावे में शालीनता झलके। विनम्रतापूर्ण व्यवहार से समर्पण की सौगात के साथ संयम के गुलदस्ते का उपहार अपने पूज्यप्रवर के चरणों में भेंट करें।

आपकी अपनी

कल्पना बैद

कल्पना बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष

करणीय कार्य

महिला मंडल

जून 2017 – करणीय कार्य

स्वच्छता व स्वस्थता सप्ताह

वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, जिसमें हम कोई भी अनभिज्ञ नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग, भूगर्भ में तेजी से घटता जलस्तर, ओजोन परत में बढ़ते छिद्र, अतिवृष्टि व अनावृष्टि के हालात, पर्यावरण में तेजी से बढ़ते हुए प्रदूषण का ही परिणाम है। समय रहते यदि हमने पर्यावरण का संरक्षण व स्वच्छता की ओर ध्यान न दिया तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। अत: हमें पर्यावरण व स्वच्छता के लिये भरसक प्रयत्न करना है। जून माह में सभी शाखा मंडलों को स्वच्छता व स्वस्थता सप्ताह का आयोजन करना है जिसकी पूरी रूपरेखा मई माह के नारीलोक में जा चुकी है।

जुलाई 2017 – करणीय कार्य

भक्तामर स्रोत जाप

जुलाई महीने में चातुर्मास प्रारम्भ हो रहा है। चातुर्मास का समय अध्यात्म साधना का समय है। सभी क्षेत्रों में चारित्र आत्माएं चातुर्मासिक प्रवेश करेंगी। इस अवसर पर उनके मंगल प्रवेश व अलौकिक अभिनंदन हेतु फौलादी संकल्पों के साथ जप-तप की रंगोली से हम चारित्र आत्माओं का स्वागत करें, जिसमें संयम रूपी फूलों की सुवास हो।

बहनों! इस हेतु 1 से 7 जुलाई के बीच में सभी शाखा मंडल प्रात: 'भक्तामर स्रोत' का दो घंटे का जाप करें।

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा हर वर्ष वार्षिक अधिवेशन में एक बहिन को प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस प्रतिभा पुरस्कार के अंतर्गत रु. 51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्तित्व को प्रदान किया जाता है। सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि आप अपने क्षेत्रों से इस पुरस्कार के लिए प्रविष्टियां भेजें। इसके लिए क्षेत्र अपनी जागरुकता का परिचय दें। हो सकता है कि इस बार का पुरस्कार आपके क्षेत्र की महिला को मिले। निर्णय चयन समिति पर आधारित होता है। लेकिन आवेदन के लिए आप पीछे न रहें। इस बार जिस-जिस क्षेत्र से आवेदन आयेंगे उन क्षेत्रों के नाम नारी लोक में निकाले जाएंगे। अत: जागरुकता का परिचय दें।

प्रतिभा पुरस्कार के लिए योग्यता

- यह पुरस्कार किसी महिला या कन्या को दिया जाता है।
- जिस बहिन ने अपने श्रम व स्वावलंबन से समाज विकास तथा शैक्षणिक क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई हो।
- जिसे अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के शाखा मंडल प्रस्तावित करें तथा प्रस्ताव के लिए उस बहिन का फोटो सहित पूरा परिचय आये एवं परिचय पत्र के साथ शाखा मंडल के अध्यक्ष अथवा मंत्री का एक परिपत्र हो साथ में तीन अन्य पदाधिकारी बहिनों के हस्ताक्षर हों तभी आवेदन स्वीकार किया जाएगा।
- आवेदन भेजने की तिथि 15 जुलाई है।
- आवेदन अध्यक्षीय कार्यालय, कोलकाता में भेजें।
- 15 जुलाई के बाद प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं की जाएगी।
- आप प्रविष्टि ई-मेल पर भी भेज सकते हैं, लेकिन मूल प्रविष्टि डाक द्वारा अवश्य भेजनी होगी।

करणीय कार्य

कन्या मंडल

संस्कारों की संवाहक–कन्याएं बने प्रभावक

प्रिय बेटियों,
सादर जय जिनेन्द्र!

हमारे गुरु आचार्य महाश्रमण हमारी आस्था के केन्द्र एवं ऊर्जा के अनंत स्रोत हैं। लक्ष्य की दिशा, लक्ष्य प्राप्ति का मार्ग और उस मार्ग पर चलने की शक्ति का जागरण गुरु करते हैं। गुरु की कृपा दृष्टि का प्रसाद मिल जाए तो जीवन संवर जाए। आपके सामने सुअवसर आ रहा है–14वां वार्षिक अधिवेशन। कोलकाता में 25, 26 एवं 27 जुलाई को यह भव्य अधिवेशन आयोजित होगा।

गुरु दर्शन की आस फलेगी
गुरु से असीम ऊर्जा मिलेगी
तन मन आत्मा का ओज बढ़ाएं
कर्मजा शक्ति को शत गुणित बनायें

बेटियों! अधिवेशन में जरूर आयें। 2015–17 दो वर्ष का कार्यकाल समापन की ओर है। यह वर्ष मूल्यांकन वर्ष है। सभी क्षेत्रों की कन्याओं ने केन्द्र के कार्यों को जागरुकता, उत्साह एवं निष्ठा से किया है। आपके कर्तृत्व, व्यक्तित्व एवं मनतव्य सभी के प्रति अग्रिम साधुवाद। आप सब आगे बढ़ी हैं पर अभी बढ़ते रहना है–थमना नहीं। बढ़े चलो–बढ़े चलो–शुभ भविष्य है सामने।

अधिवेशन में ध्यानार्थ बिंदु :

1. 25, 26 एवं 27 जुलाई 2017 को कन्या अधिवेशन कोलकाता में आचार्य महाश्रमणजी के सान्निध्य में।
2. आने की पूर्व सूचना सह संयोजिका करूणा कोठारी, कन्या मंडल अधिवेशन संयोजिका ज्योतिजी जैन एवं रमनजी पटावरी को इस फार्मेट में प्रेषित करें :
   क्षेत्र का नाम : कन्याओं की संख्या : कन्या मंडल प्रभारी का नाम एवं फोन नं. : Arrival and Departure Details
3. अपना मान्यता पत्र अवश्य साथ लाएं
4. प्रतिनिधि शुल्क : रु. 300/– (प्रति व्यक्ति)
5. पंजीकरण 25 जून को प्रात: से प्रारंभ होगा
6. यदि आपका कन्या मंडल रजिस्टर्ड नहीं है तो इस अधिवेशन में अवश्य करा लें।
7. अधिवेशन में सबको Red Jacket पहननी है जिसकी डिजाइन साथ में संलग्न है वैसी बनवाकर साथ में लायें। Red Jacket ड्यूपेन सिल्क कपड़े में करवा सकते हैं।

आपकी अपनी
पुखराज दीदी

Plain Red Jacket

कन्या मंडल अधिवेशन संयोजिका

श्रीमती ज्योति जैन	श्रीमती रमन पटावरी
+91 93398 78262	+91 99035 18222

अधिवेशन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 42वां वार्षिक अधिवेशन

10, 11, 12 व 13 सितम्बर 2017, राजारहाट, कोलकाता

श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का आगामी त्रिदिवसीय वार्षिक अधिवेशन 10,11,12 एवं13 सितंबर 2017 को कोलकाता-राजारहाट में होना निश्चित हुआ है। सभी शाखा मंडल सादर आमंत्रित हैं। रजिस्ट्रेशन 10 सितंबर को प्रात: 8.00 बजे राजारहाट में शुरू हो जाएगा। 10 सितंबर को संध्या में स्वागत व परिचय सत्र का आयोजन किया जाएगा। अत: सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि यथासंभव परिचय सत्र में शामिल हों। सभी शाखा मंडल समय से पहुंचे। कृपया आने के बाद आवास कार्यालय में संपर्क करें।

- सभी क्षेत्रों से 4 बहनें प्रतिनिधि के रूप में भाग लें।
- यथासंभव वर्तमान अध्यक्ष, पूर्वाध्यक्ष, वर्तमान मंत्री, पूर्व मंत्री व युवा कार्यकर्ता इस अधिवेशन में शामिल हों।

विशेष : ध्यान दें अधिवेशन में आने वाली बहिनें अपने आने की स्वीकृति महामंत्री कार्यालय में शीघ्र प्रेषित करें।

क्षेत्रीय वार्षिक अधिवेशन साधारण सभा

15 जून से 15 जुलाई तक सभी शाखा मंडलों को अपने क्षेत्र में वार्षिक अधिवेशन व साधारण सभा का आयोजन करना है, जो कि दो चरणों में आयोजित करें। यह चुनाव वर्ष है। सभी शाखा मंडल सौहार्दपूर्ण वातावरण में अध्यक्ष का मनोनयन करें।

पहला चरण :

1. संविधान का वाचन
2. मंत्री प्रतिवेदन
3. आय-व्यय
4. पारितोषिक वितरण
5. नये अध्यक्ष का मनोनयन

दूसरा चरण :

विषय : ''संयुक्त परिवार में छिपा है सुखी संसार''

वर्तमान परिवेश में एकाकी जीवन की अवधारणा ने संयुक्त परिवार जैसी पुरानी परम्परा को सामाजिक ताने-बाने से मानो अलविदा कह दिया है। पारिवारिक सुख क्या होता है? यह समझने के लिए आज की पीढ़ी को बीते कल से रूबरू होना पड़े गा। युवा पीढ़ी को अक्सर बुजुर्गों को अपने साथ रखना अपनी स्वच्छंदता का हनन लगता है, लेकिन यह उनका भ्रम है। संयुक्त परिवार एक वटवृक्ष की तरह है जिसकी शीतल छाँव में परिवार के सभी सदस्यों को राहत मिलती है। **''संयुक्त परिवार में छिपा है सुखी संसार''** पर एक नाटिका या संवाद की प्रस्तुति करें जिसमें परस्पर सामंजस्य के द्वारा संयुक्त परिवार के महत्व को दर्शाया जाये।

नव निर्माण

Physiotherapy Center – नव निर्माण हेतु भूमि पूजन

दिनांक 8 मई, 2017: 'तेरस' की शुभ तिथि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा जैन विश्व भारती में भूमि पूजन का कार्य जैन विधि से सानन्द सम्पन्न हुआ।

चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायरजी बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जी बैद, महामंत्री श्रीमती सुमन जी नाहटा, ट्रस्टी श्रीमती सौभागजी बैद द्वारा मंत्रोच्चार के साथ नींव की ईंट लगाई गयी। संस्कारक भाई चमन और अजय दुधोड़िया ने जैन संस्कार विधि से कार्य सम्पन्न कराया। कार्यकारिणी सदस्य सुनीताजी डूंगरवाल, सुमनजी लूनिया भी उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में स्थानीय महिला मंडल, लाडनूं की अध्यक्ष सुनीता बैद, मंत्री समता बोकाड़िया सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

तेरापंथ विकास परिषद के संयोजक श्री कन्हैयालालजी छाजेड़, जय तुलसी फाउनडेशन से नौलखाजी, डॉ. मुमुक्षु शान्ता जैन, विश्व भारती के निदेशक राजेन्द्र खटेड़, तेरापंथ सभा के मंत्री श्री शांतिलालजी बैद, पार्षद अंजनाजी शर्मा की उपस्थिति रही।

रोहिणी कार्यालय में कार्यरत बहन सुमन नाहटा का विशेष सहयोग रहा।

समारोह

तेरापंथ महिला मंडल कोलकाता का स्वर्ण जयंती समारोह

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल कोलकाता की स्वर्ण जयंती का समारोह 20 अप्रैल, 2017 को कला मंदिर प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कल्पनाजी बैद ने विशिष्ट अतिथिगण के साथ बैनर का अनावरण कर 'स्वर्णाक्षर' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि बुजुर्ग बहनों के अनुभव, सभी संघीय संस्थाओं, अध्यक्ष-मंत्रियों के श्रम तथा हर कार्यकर्ता की कर्मठता का सुखद परिणाम है- स्वर्ण जयंती। कोलकाता महिला मंडल भविष्य में उत्तरोत्तर विकास करते हुए धर्म संघ के क्षितिज पर अमिट छाप छोड़े- यही शुभकामना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर अग्निमित्रा पाल व जागृति संस्था की अध्यक्ष सुलोचना जी अग्रवाल, प्रधान वक्ता प्रवास व्यवस्था समिति कोलकाता की महामंत्री श्रीमती सूरजजी बरड़िया व सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। सूरजजी बरड़िया ने गुरुदेव के कोलकाता पदार्पण पर सभी बहनों को अधिक से अधिक सेवा का लाभ लेने के लिए आह्वान किया। स्थानीय अध्यक्ष अमरावजी चोरड़िया ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कोलकाता महिला मंडल के सभी पूर्वाध्यक्षों का सम्मान किया गया। स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में प्रेरणादायी सफल नृत्य नाटिका 'स्वर्णाक्षर' का मंचन किया गया, जिसमें शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी संदेश था। इस नाटक में आचार्यश्री तुलसी द्वारा प्रदत्त विशेष अवदान नारी जागृति और नारी शिक्षा को विशेष रूप से दर्शाया गया था। श्रीमती मधु दुगड़ ने मुख्य किरदार की भूमिका निभाई। कोलकाता मंडल की संरक्षिका ताराजी सुराणा, चम्पा देवीजी कोठारी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन पुखराज जी सेठिया ने किया। आभार ज्ञापन किया मंत्री अंजजी दुगड़ ने।

संगठन यात्रा

संस्था का प्राण तत्व है– संगठन यात्रा। छोटे–छोटे क्षेत्र जहां चारित्र आत्माओं के चातुर्मास नहीं होते, समणी वर्ग भी कभी कभार पहुंचते हैं, ऐसे क्षेत्र भी सक्रियता से संघीय प्रवृत्तियों को संचालित कर रहे हैं। ज्ञानशाला, रास्ते की सेवा एवं शनिवार की सामायिक गोष्ठी उनकी अध्यात्म चेतना को ऊर्ध्वगामी बना रही है। हर क्षेत्र के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन का संचार करने वाली संगठन यात्राओं का विवरण इस प्रकार है–

दिल्ली – नोएडा

यात्रा प्रभारी: **महामंत्री, सुमन नाहटा**

कार्यकारिणी सदस्य : **उत्तर प्रदेश प्रभारी– रजनीजी बाफना, सह–प्रभारी– सुनीताजी डूंगरवाल**

कार्यशाला : **श्री उत्सव**

दिनांक 7 मई 2017 : नोयडा शाखा सार संभाल के लिये भारतीय सभ्यता संस्कृति और नारी सशक्तिकरण पर आधारित ''श्री उत्सव'' के अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सुमनजी नाहटा, उत्तर प्रदेश प्रभारी रजनीजी बाफना, कार्यकारिणी सदस्याएं– सुनीताजी डूंगरवाल, सुमनजी लुणिया एवं मंजू भूतोड़िया के साथ शाखा सार संभाल हेतु नोएडा पहुंची। नोएडा अध्यक्ष कुसुमजी बैद ने सभी आगंतुक अतिथियों का भावभीना स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन व कन्याओं के द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। स्वागत गीत पूर्वाध्यक्ष संतोषजी बैद ने किया। रजनीजी बाफना ने स्वच्छ भारत अभियान की जानकारी देते हुए इस दिशा में कार्य करने व कन्या सुरक्षा सर्कल बनाने की प्रेरणा दी। महामंत्री सुमनजी नाहटा ने योजनाओं पर प्रकाश डाला व नोएडा मंडल के व्यवस्थित कार्यों की सराहना की और केंद्र के दिशा निर्देशों को निष्ठा के साथ पालन करने के लिये प्रेरित किया। नारी निकेतन ऊषाजी ठाकुर ने नारी शक्ति व क्षमताओं को उजागर करते हुए साथ मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया। नोएडा सभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र नाहटा ने महामंत्री सुमन नाहटा व अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के कर्तृत्व की सराहना की व उनसे प्रेरणा लेने हेतु प्रेरित किया। नोएडा मंडल की अध्यक्ष कुसुमजी बैद ने कहा कि महामंत्री व उनकी टीम का नोएडा में आगमन अविस्मरणीय रहेगा। मंत्री अरुणाजी नाहटा ने आभार ज्ञापन व अर्चनाजी भंडारी ने कुशल संचालन किया।

संगोष्ठी

अपनों से अपनी बात

बिहार– भागलपुर

दिनांक 4 मई 2017 : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी बैद के भागलपुर आगमन पर भागलपुर महिला मंडल की बहनों के साथ एक संगोष्ठी रखी गयी। कार्यकारिणी सदस्य सायरजी कोठारी, शोभाजी दुगड़ के साथ कोलकाता से मंजुजी बैद, कुसुमजी बोथरा व सुशीलाजी कोठारी एवं लाडनूं से कमलाजी कठोतिया भी उपस्थित थे। अध्यक्ष सरोजजी बोहरा ने पदाधिकारियों का स्नेहिल स्वागत किया और मंडल में संचालित गतिविधियों से अवगत कराया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल से जुड़ी चार मुख्य योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। भागलपुर में स्वच्छता की कमी को देखते हुए स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ कर और अधिक जागरुक होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। इस संगोष्ठी में 20 से 25 बहनों की उपस्थिति थीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष को पहली बार अपने समक्ष पाकर बहनें उत्साह से भर गयीं। सौहार्दपूर्ण वातावरण में गोष्ठी का समापन हुआ।

रास्ते की सेवा– 'भावना'

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा रास्ते की सेवा का उपक्रम सुचारू रूप से चल रहा है। 10 अप्रैल से 15 अप्रैल तक हरियाणा महिला मंडल की ऊषा बेन ने अपनी सेवाएं प्रदान की। 16 अप्रैल से 22 अप्रैल तक हरियाणा महिला मंडल की मीना जैन, सुलोचना जैन, कविता जैन, कान्ता मित्तल, संतोष जैन, सतीश जैन, ओमपती जैन ने अपनी सेवाएं प्रदान की। 23 अप्रैल से 29 अप्रैल तक गौरीपुर महिला मंडल की सुमन देवी चौरड़िया, मुन्नी देवी चौरड़िया, संपत देवी मेहता, रूबी चौरड़िया, सुश्री निकेता चौरड़िया एवं विजय सिंहजी चौरड़िया ने रास्ते की सेवा में योगदान दिया। 30 अप्रैल से 3 मई तक गदग महिला मंडल की बहनें विमला कोठारी, बबीता भंसाली, संगीता खटेड़, शोभा संकलेचा, देवी बाई सालेचा, संगीता भंसाली, ममता संकलेचा ने सेवायें प्रदान की।

4 मई से 4 जून तक रास्ते की सेवा में कोलकाता महिला मंडल अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी।

नाम देने हेतु आप निम्न बहनों से संपर्क करें:–

श्रीमती शोभा दुगड़
15/5बी, रहीम ओस्तागर रोड,
95 पल्ली के नजदीक,
कोलकाता–700 045
मोबाइल : 098313 00006
ईमेल : sobhadugar54@gmail.com

श्रीमती सज्जन पारख
अमलगमेटेड कम्पाउंड
1, नेहरू रोड,
सिलीगुड़ी (प.बं.)
मोबाइल : 092334 23522

अप्रैल माह के प्रश्नोत्तरी–17 के भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1.	चन्दनबाला कोठारी	राजनगर	7.	शशि जैन	हिसार
2.	अंजना गोखरू	आसीन्द	8.	शांति बांठिया	कोलकाता
3.	स्वीटी बाफना	उधना	9.	बिंदिया जैन	अहमदगढ़
4.	सुन्दरदेवी नाहर	देशनोक	10.	सरोज लोढ़ा	मदुरई
5.	चन्द्रकला दूगड़	कालू	11.	मंजूदेवी बाफना	बालोतरा
6.	पुष्पादेवी बुरड़	जसोल			

तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर

7–8 सितंबर को राजारहाट, कोलकाता में

तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन

प्रशिक्षण कार्यशाला

सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमणजी के सान्निध्य में 7–8 सितम्बर को तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जिसके अंतर्गत

- तेरापंथ दर्शन के 5वें वर्ष की परीक्षाऐं होंगी।
- तत्वज्ञान के 6ठवें वर्ष की परिक्षाऐं होंगी।
- शिविरार्थी शुल्क प्रत्येक व्यक्ति 200/– रुपये होगा।
- विद्यार्थियों को विषय से संबंधित प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- आचार्य श्री महाश्रमणजी का विशेष उद्धबोधन प्राप्त होगा।
- कृपया परिक्षार्थी 7 सितंबर को ही पहुंचे। कार्यशाला का प्रारम्भ लगभग 1.30 बजे होगा। कार्यक्रम का समापन 9 सितम्बर को होगा। वापसी हेतु प्रात: 9 सितंबर की टिकट करवायें। आने से पूर्व सूचित करें। आवास की व्यवस्थाएं कोलकाता–राजारहाट में होंगी। कृपया अपने ओढ़ने–बिछाने के वस्त्र व धार्मिक उपकरण साथ लायें।

विशेष संपर्क सूत्र – पुष्पा बैंगानी : +91 93112 50290

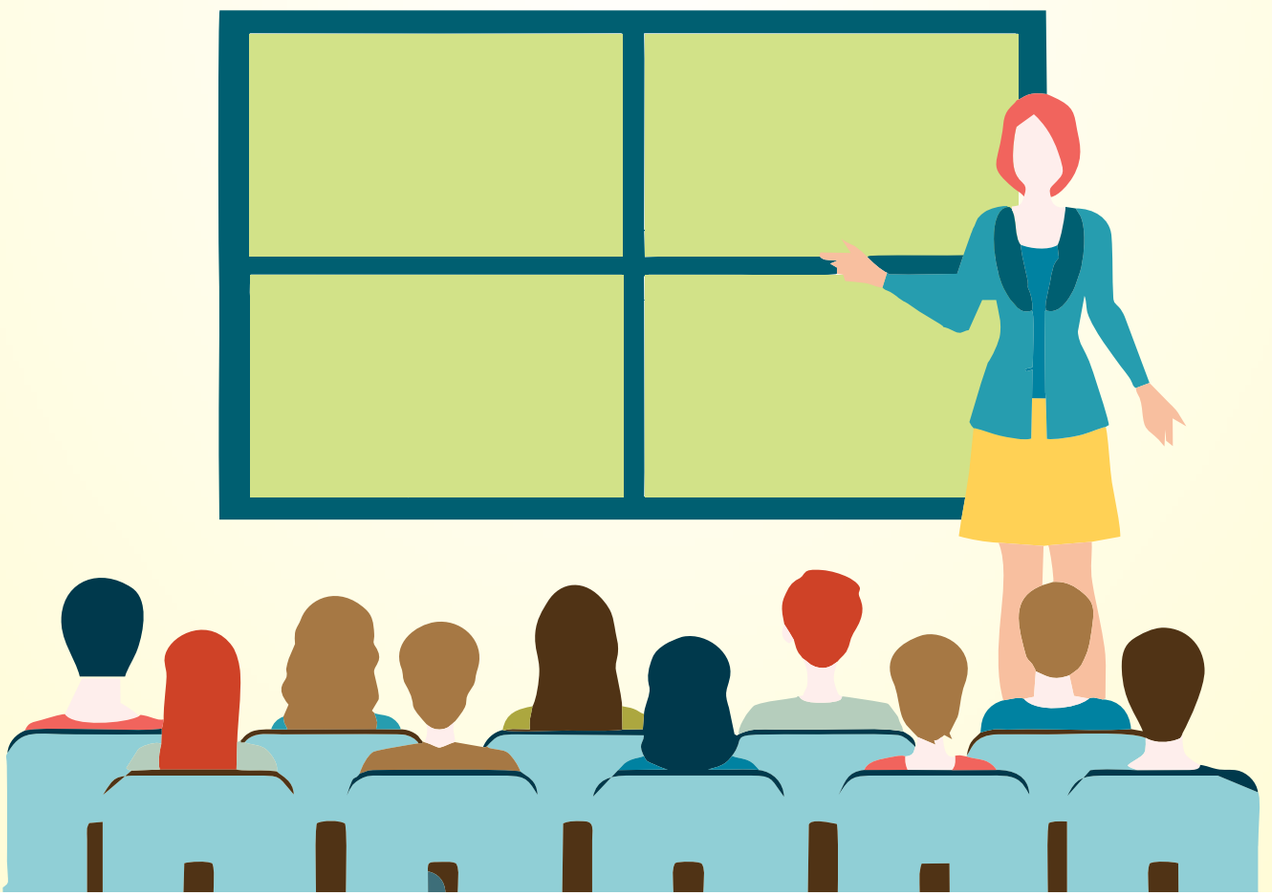

ज्ञान ज्योति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता–19

(संदर्भ ग्रन्थ– आचार्य महाश्रमण रचित 'धम्मो मंगल मुक्किट्ठं, पेज– 141–211)

मेल–मिलाप :

प्रत्येक प्रश्न के सामने कोष्ठक में दिये गये उचित शब्द का चयन करके युक्ति संगत जोड़ी मिलाइए :

1.	ऊर्ध्वस्थान	10.	एगे दंडे	19.	श्रद्धा
2.	हेड़ा	11.	विलय	20.	ठाणं
3.	परिषद	12.	योग	21.	पर्यायवाची नाम
4.	खणं	13.	दो पक्ष	22.	कन्याकुमारी
5.	व्याख्या प्रज्ञप्ति	14.	लोक	23.	अपरिपूर्ण ज्ञान वाले
6.	पशुओं का समूह	15.	प्रायश्चित का एक माप विशेष	24.	अग्गं
7.	पूर्ण विशुद्धि	16.	एक	25.	स्पृष्ट
8.	जेता	17.	ठियप्पा		
9.	चुगली	18.	आणाए		

(शिकार, दक्षिण भारत, समज, आज्ञा, पांच कल्याणक, मान्यता, छद्मस्थ, दुनिया, एक दंड, अग्र, अद्वैत, स्थानांग, कायोत्सर्ग, क्षण, भगवती, छूने पर, श्रोताओं, अभिवचन, क्षय, सिद्धावस्था, स्थित आत्मा, पैशुन्य, प्रवृत्ति, तड़, ज्ञानी)

नोट : आपके उत्तर इस माह की 30 तारीख तक आपके नाम, पता, फोन नम्बर व पिनकोड के साथ प्रेषित करें। प्रत्येक माह 11 भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

सम्पर्क सूत्र :

श्रीमती रजनी बाफना

एस–200, पहला तल्ला, ग्रेटर कैलाश, पार्ट–।।, नई दिल्ली–110 048, मो. 93504 14439

अप्रैल माह की प्रश्नोत्तरी नं. 17 के उत्तर

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :–

1. कालातीत	9. मृषावाद	17. सत्पुरुषार्थ	25. दु:ख, धर्म, अध्यात्म
2. श्रुतवान	10. धर्म	18. पारिणामिक	26. स्थिरता, प्रगतिशीलता
3. अनादिपारिणामिक	11. श्रुत	19. नियति, पुरुषार्थ	27. संवत्सरी, वैमनस्य
4. सत्वानुकम्पा	12. सामायिक	20. संवर	28. मनस्वी, ऊंचाई, गहराई
5. राग–भाव	13. जैन दर्शन	21. चौथे	29. आध्यात्मिक
6. पहला	14. अनाग्रह, आग्रह	22. मरिस्सामि	30. तृष्णा, मनुष्य
7. कामे	15. आत्मा, शरीर	23. उच्चत्वमपरा	
8. गुणस्थान	16. तीन	24. प्रतिमा	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार

Walkathon-Keep the City Clean

अहमदाबाद

रायपुर

दिल्ली

मुम्बई

कानपुर

कामरेज

सुजानगढ़

चलथान

आभार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की विभिन्न प्रवृत्तियों में अनुदान की राशि निम्नलिखित अनुदानदाताओं से अथवा उनके सद्प्रयासों एवं प्रेरणा से प्राप्त हुए।

25000/– : तेरापंथ महिला मंडल दक्षिण हावड़ा द्वारा रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में सप्रेम भेंट।

21000/– : श्री सुपारसजी– अजंताजी बैद द्वारा सप्रेम भेंट, गुवाहाटी।

21000/– : स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी छाजेड़ की पुत्रवधु श्रीमती पुष्पाजी–हेमन्त कुमार जी छाजेड़ द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट, इन्दौर

11,000/– : तेरापंथ महिला मंडल लाडनूं द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

संशोधन

1,00,000/– : मई माह की नारीलोक में जयपुर की जगह जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में सप्रेम भेंट पढ़ें।

नारी लोक हेतु सम्पर्क करें :
श्रीमती सौभाग बैद (जैन)
C-142, दयानंद मार्ग, तिलक नगर, जयपुर–302004
मोबाइल : +918003131111

नारी लोक

– सम्पर्क सूत्र –

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती कल्पना बैद
5–डीई, अमर ज्योति,10, वेलवेडियर रोड, अलीपुर, कोलकाता–700 027, मोबाइल : 09831046456
ईमेल: abtmm.kalpana@gmail.com

महामंत्री
श्रीमती सुमन नाहटा
जी/67, कीर्ति नगर, नयी दिल्ली–110 015
मोबाइल : 098188 54120 ईमेल : nahata67@gmail.com

कोषाध्यक्ष
श्रीमती सरिता डागा
45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर–302 017
मोबाइल : 094133 39841 ईमेल : sarita.daga21@gmail.com

– नारीलोक संपादन सहयोग –
श्रीमती कमला छाजेड़ एवं **श्रीमती गुलाब सुराणा**, कोलकाता

www.terapanthinfo.com www.abtmm.org